>

Title : Need to develop a flood-warning system to minimize loss of lives and property in the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): बाढ़ से समूचे भारतवर्ष का लगभग 40 प्रतिशत भूभाग प्रभावित होता है तथा बिहार राज्य के 70 प्रतिशत भूभाग में इससे करोड़ों रूपये की जान-माल की क्षति होती है। हमारे इंजीनियरों को इस तरह की तकनीक विकसित करनी चाहिए जिससे बाढ़ आने पर लोग इसकी विभीषिका से बच सकें और काम सुचारू रूप से होते रहें और जान-माल की हानि न होने पाये।

मैं इस सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करता हूं कि देश में इस तरह का इफ्रास्ट्रक्चर डेवलप हो ताकि बाढ़ आने से पूर्व लोगों को सचेत किया जा सके और लोग बाढ़ की विभीषिका से बच सकें एवं जान-माल की हानि न हो।